Form No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

AAP-A
Crim-I

2024/12

अज अदालत अति० जिला कलक्टर मुकाम झुन्झुनू

कुमेरसिंह पुत्र मानसिंह शेखावत बनाम भरतसिंह उर्फ भागीरथ सिंह पुत्र मानसिंह शेखावत

किस्म मुकदमा प्रार्थना पत्र स्थगन नं. 07 सन् 2024

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
25.01.2024	यह प्रार्थना पत्र स्थगन अधिवक्ता श्री सुरेन्द्र सिंह किशनावत द्वारा पेश करने पर बाद जांच प्रस्तुत हुआ। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अधिवक्ता प्रार्थी के निवेदन पर प्रार्थना पत्र स्थगन पर एक पक्षीय बहस सुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थी का कथन है कि ग्राम गांगियासर में भूमि खसरा नम्बर पुराना 179 तथा नया 474 व 534 मौजूद है जिस संबंध में प्रार्थी के पिता का देहावसन हो जाने के उपरान्त नामान्तरकरण संख्या 639 दर्ज किया गया जिसमें प्रार्थी के पिता का वशंवृक्ष गलत रूप से दर्ज करते हुए उनके पुत्रों में प्रार्थी का नाम अंकित नही किया गया एवं इस गलत वंशावली को सही मानते हुए उप तहसीलदार मलसीसर ने दिनांक 19.06.1998 को गलत इन्तकाल दर्ज कर दिया। इस प्रकार वादगत कृषि भूमि में प्रार्थी का भी हक हिस्सा है। परन्तु यदि अपील के लंबित रहते वादगत भूमि को प्रार्थी के अन्य भाईयों द्वारा अन्तरित कर दिया जाता है अथवा इन कृषि भूमियों का कब्जा किसी अन्य को सौंप दिया जाता है तो प्रार्थी को अपूर्णीय क्षति होगी तथा प्रार्थी का प्रकरण में अपील प्रस्तुत करने का औचित्य ही समाप्त हो जायेगा। अतः प्रार्थना पत्र स्थगन स्वीकार कर प्रकरण में प्रस्तुत अपील के लम्बित रहने के दौरान वादगत भूमियों की मौके व रिकार्ड की स्थिति यथावत रखी जाने के आदेश पारित किये जाने का निवेदन किया। मेरे द्वारा बहस सुनी गई। अपीलान्ट द्वारा प्रस्तुत अपील में दर्ज तथ्यों का अवलोकन एवं मनन किया गया। प्रकरण में अपील में दर्ज तथ्यों एवं परिस्थितियों को [illegible] प्रार्थना पत्र स्थगन स्वीकार कर किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थना पत्र स्थगन स्वीकार कर प्रकरण में वादग्रस्त भूमियों खसरा नम्बर 474 व 534 वाके ग्राम गांगियासर की मौके व	

Signature Not Verified
Digitally signed by Ram Ratan Sonkaria
Date: 2024.05.28 16:47:28 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	[illegible]	
26/2/24	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक संघ द्वारा आज न्यायिक कार्य स्थगन रखा गया है। पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 20/3/24 को पेश हो।	
20/3/24	[illegible] 25/4/24 को पेश हो। रीडर	
25/4/24	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उप.। पत्रावली में बहस सुनी गई। पत्रावली वास्ते निर्णय दिनांक 29/4/24 को पेश हो	
29/4/24	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उभयपक्ष उप.। प्रकरण में मूल अपील में फैसला हो जाने के कारण प्रार्थना पत्र स्थगन अब सारहीन होने से खारिज किया जाता है। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील शामिल मूल अपील रहे।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Ram Ratan Sonkaria
Date: 2024.05.28 16:47:28 IST
Reason: SelfAttested